मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 248, मुंबई, सोमवार, 22 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

एमएसआरटीसी को 12 हजार करोड़ के घाटे की आशंका

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) का घाटा करीब 12 हजार करोड़ का घाटा होने की आशंका है। घाटे में चल रहे निगम के लिए आर्थिक बदलाव का अध्ययन करने के लिए एक सलाहकार नियुक्त करने का फैसला किया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब निगम के कर्मचारी हड़ताल पर हैं। निगम कर्मचारियों की पिछले 23 दिनों से हड़ताल जारी है। इस बीच एमएसआरटीसी मुख्यालय में राज्य के परिवहन मंत्री अनिल परब की अध्यक्षता में गुरुवार को एक बैठक हुई। एक अधिकारी ने बताया कि बैठक में परामर्श सेवा देने वाली एक कंपनी को नकदी संकट से जूझ रहे निगम को वर्तमान वित्तीय स्थिति से बाहर निकालने के तरीकों का अध्ययन करने और सुझाव देने के लिए नियुक्त किया गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कृषि कानून रद्द करना पीएम का बड़प्पन

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीनों कृषि कानून को वापस लेने के फैसले पर विपक्ष की तरफ से केंद्र सरकार पर टिप्पणी की जा रही है। इन टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विपक्ष के नेता देवेंद्र फड़नवीस ने विपक्ष को करारा जवाब देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने तीनों कृषि कानून वापस लेकर बड़प्पन दिखाया है। नाशिक में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि टिप्पणी करने वाले टिप्पणी करते हैं, काम करने वाले काम करते हैं। देश के प्रधानमंत्री ने किसानों के हित में फैसला लिया था, लेकिन कई लोग इन कानूनों का विरोध कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे कुछ लोगों को समझा नहीं पाए, इसलिए ये कानून वापस ले रहे हैं। फड़नवीस ने कहा कि लोकतंत्र में इतना बड़ा फैसला बहुत कम लोग लेते हैं।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में हनीट्रैप का शिकार हुआ कोल्हापुर का व्यापारी, सवा 3 करोड़ रुपये की वसूली 3 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। देश की मायानगरी मुंबई में हनी ट्रैप के जरिए उगाही का बहुत बड़ा रैकेट चल रहा है। रैकेट से जुड़े तीन लोगों का मुंबई क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया। चौथा फरार है। इन चार लोगों के गिरोह में दो महिलाएं थीं। इन्होंने अपने ट्रैप में कोल्हापुर के एक सुगर व्यापारी को लिया और उससे पिछले दो साल में 3 करोड़ 26 लाख रुपये की वसूली कर ली थी। मुंबई क्राइम ब्रांच के अनुसार, कोल्हापुर के व्यापारी से गिरफ्तार आरोपियों में से एक अनिल चौधरी की साल, 2016 में गोवा में पहली मुलाकात हुई थी। वहां दोनों इतने गहरे दोस्त हो गए कि जब भी गोवा का व्यापारी किसी बिजनस के सिलसिले में मुंबई आता, अनिल चौधरी को फोन जरूर करता। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अवैध हथियारों की मंडी सोशल मीडिया पर

दिल्ली पुलिस ने एक को पकड़ा पाकिस्तान से निकला कनेक्शन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सोशल मीडिया के जरिए अवैध हथियार बेचने वाले मॉड्यूल का भांडाफोड़ किया है। राजस्थान निवासी 38 साल के आरोपी हितेश सिंह उर्फ लंगड़ा को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सबक का समय

तीन कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन के समापन की आशा बलवती हो गई है। प्रधानमंत्री के ये शब्द खास मायने रखते हैं कि ह्यमैं देश की जनता से सच्चे और नेक दिल से माफी मांगता हूं। हम किसानों को नहीं समझा पाए। हमारे प्रयासों में कुछ कमी रही होगी कि हम कुछ किसानों को मना नहीं पाए।ह्न यह एक निर्णायक घोषणा है, जिसके प्रभाव-दुष्प्रभाव आने वाले समय की राजनीति पर साफ तौर पर दिखाई पड़ सकते हैं। भारत में एकाधिक कानूनों को वापस लेने के लिए चला यह सबसे लंबा सक्रिय आंदोलन है, जिसे आने वाले दशकों तक भुलाया नहीं जा सकेगा। जिसकी चर्चा खेत से लेकर संसद तक चलती रहेगी। कौन सही-कौन गलत का फैसला हर कोई अपनी-अपनी दृष्टि से करेगा। तमाम तरह की वैचारिक विविधता से भरे इस देश में शायद हमने नए तरह से लंबे जमीनी आंदोलन चलाने का तरीका सीख लिया है। इस आंदोलन को भले ही कुछ राज्यों में ज्यादा समर्थन मिल रहा है, लेकिन इसका असर तमाम राज्यों पर पड़ेगा। हमारे लोकतंत्र के लिए यह किसान आंदोलन शायद किसी उपलब्धि से कम नहीं है। सियासत ने भी बहुत कुछ सीखा है, आगे के लिए ढेर सारी संभावनाएं भी हैं और आशंकाएं भी। पहला सबक तो यही है कि आने वाले समय में किसी भी सरकार को किसानों से संबंधित कोई भी कानून बनाने से पहले बहुत सोच-विचार करना पड़ेगा। दूसरा सबक किसानों और देश के दूसरे वर्गों के लिए यह है कि किसी आंदोलन को अगर मजबूती से चलाया जाए, तो मनवांछित फल पाया जा सकता है। तीसरा सबक, लोकतंत्र में सरकारों को उदारता का दामन थामे रखना चाहिए। उदारता कम होते ही आंदोलनों को बल मिलेगा। चौथा सबक, चुनाव ही देश की दिशा तय करते हैं, अतः कोई फैसला लेते समय सरकारों को व्यापक जनहित के बारे में भी जरूर सोच लेना चाहिए। पांचवां सबक, देश में अभी भी किसानों का वर्चस्व है। बाजार अभी उतना मजबूत नहीं हुआ कि किसानों की नाराजगी का जोखिम उठा सके। पर सवाल अब भी बरकरार हैं, किसान नेताओं में अविश्वास अब भी कायम है, अतः आंदोलन को सड़क से लौटने में समय लग सकता है। मुमकिन है, किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानून लाने पर अड़ जाएं। खैर, किसान संगठनों को अपनी नई मजबूती का व्यापक और तार्किक लाभ उठाने के बारे में सोचना चाहिए। बाजारों और मंडियों में किसानों का शोषण करने वाले ज्यादातर दलाल या व्यापारी किसान या ग्रामीण परिवारों से ही आते हैं। कौन लोग हैं, जो किसानों को वाजिब मूल्य नहीं दे रहे हैं? कौन लोग हैं, जो किसानों से दस रुपये किलो टमाटर खरीदकर पचास रुपये से ज्यादा कीमत पर बेचते हैं? क्या किसान संगठन किसानों के ऐसे शोषकों के खिलाफ आंदोलन नहीं चला सकते? क्या किसान संगठन मंडियों में होने वाले भ्रष्टाचार का अंत नहीं कर सकते हैं? सरकार ज्यादातर छोटे किसानों के प्रति चिंता जता रही है, तो वह गलत नहीं है। कृषि सुविधाओं, न्यूनतम समर्थन मूल्य या सब्सिडी का लाभ केवल चंद संपन्न किसानों तक क्यों सीमित रहना चाहिए? जिन संगठनों ने तीन कृषि कानूनों को रोक लिया है, उन्हें स्वयं आगे आकर ऐसा कृषि विकास सुनिश्चित करना चाहिए, जिसका लाभ गरीब भूमिहीन खेतिहर मजदूरों तक पहुंच सके।

खामियों से भरी है भुखमरी रैंकिंग

समय की मांग है कि ऐसी झूठी रपटों का पदार्फाश किया जाए और विकासशील देश आंकड़ों की बाजीगरी से मुक्त होकर जमीनी हकीकत पेश करें...

जर्मनी की एक संस्था 'वैल्ट हंगर हाइफ' द्वारा हाल में प्रकाशित एक रपट के अनुसार, भुखमरी की दृष्टि से 116 देशों की सूची में भारत का स्थान 101वां बताया गया है। इसका अभिप्राय यह है कि भारत पोषण की दृष्टि से अत्यंत पिछड़ा हुआ है और सिर्फ 15 देश ही उससे पीछे हैं। वैसे इसमें यह भी बताया गया है कि भारत में भुखमरी सूचकांक 2000 के 38।8 से घटता हुआ 2021 में 27।5 तक पहुंच गया है यानी भुखमरी का प्रमाण कम हुआ है।

इस रपट को आधार बना कर सरकार के आलोचक यह कह रहे हैं कि मोदी सरकार की लापरवाही से कोरोना महामारी के दौरान भुखमरी का आपात बढ़ा है। इस रपट में बहुत खामियां हैं, जो इसे सिरे से खारिज करने के लिए पर्याप्त हैं। ऐसा लगता है कि यह संस्था भारत समेत कुछ विकासशील देशों को कुछ निहित स्वार्थों द्वारा बदनाम करने के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। पहली बात यह है कि भुखमरी सूचकांक में इस्तेमाल आंकड़े कृषि मंत्रालय के आंकड़ों से बिल्कुल मेल नहीं खाते हैं।

भारत में खाद्यान्न एवं अन्य खाद्य पदार्थों, जैसे- दूध, अंडे, सब्जी, फल, मछली आदि का उत्पादन बढ़ा है। दूध का कुल उत्पादन साल 2000 में मात्र 777 लाख टन था, जो साल 2020 में 2000 लाख टन हो चुका है और हमारा दैनिक प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन 394 ग्राम तक पहुंच चुका है। अंडों का कुल उत्पादन साल 2019-20 में 11440 करोड़ प्रति वर्ष रहा, जो साल 2000 में मात्र 3050 करोड़ ही था। सब्जियों, फलों, मांस के साथ दालों और खाद्य तेलों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की उपलब्धता अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। जिन देशों से भारत को पीछे दिखाया गया है, वहां इन खाद्य पदार्थों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता कहीं कम है।

दूसरी बात यह है कि भुखमरी सूचकांक बनाने में प्रयुक्त पद्धति के अनुसार उन्हें एनएसएसओ के खाद्य उपभोग के आंकड़े इस्तेमाल करने होते हैं और दिलचस्प बात यह है कि साल 2011-12 के बाद एनएसएसओ का कोई सर्वेक्षण प्रकाशित ही नहीं हुआ। साल 2015-16 के सर्वेक्षण को गंभीर कमियों के कारण सरकार द्वारा वापस ले लिया गया था। अगर साल 2011-12 के ही आंकड़े के आधार पर साल 2021 का भुखमरी सूचकांक तैयार हुआ है, तो यह हास्यास्पद है।

सबसे बड़ी बात यह है कि यह संस्था खाद्य वस्तुओं के उपभोग के संबंध में स्वयं आंकड़े नहीं जुटाती, बल्कि विश्व खाद्य संगठन द्वारा संकलित आंकड़ों का उपयोग करती है। पूर्व में खाद्य संगठन भारत की एक संस्था राष्ट्रीय पोषण निगरानी बोर्ड पर निर्भर करती रही है, लेकिन बोर्ड का कहना है कि उसने ग्रामीण क्षेत्रों में 2011 और शहरी क्षेत्रों में 2016 के बाद खाद्य पदार्थों के उपभोग का कोई सर्वेक्षण नहीं किया है। ऐसा लगता है कि वैल्ट हंगर हाइफ ने बोर्ड के आंकड़ों की जगह किसी निजी संस्था के कथित ह्यगैलोपह्न सर्वेक्षण, जिसका कोई सैद्धांतिक औचित्य भी नहीं, का उपयोग किया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या सूचकांक में इस्तेमाल होनेवाले ये संकेतक वास्तव में भूख को मापते हैं? यदि ये संकेतक भूख के परिणाम हैं, तो अमीर लोगों के बच्चे ठिगने और पतले क्यों होने चाहिए? वर्ष 2016 के 16 राज्यों के राष्ट्रीय पोषण संस्थान के आंकड़ों से पता चलता है कि धनी लोगों (कारों, घरों के मालिक) में भी क्रमशः 17।6 फीसदी और 13।6 फीसदी बच्चे स्टंटिंग और वेस्टिंग से पीड़ित हैं। अधिक वजन और मोटापे (भोजन तक पर्याप्त पहुंच) वाली माताओं में स्टंटिंग (22 फीसदी) और वेस्टिंग (11।8 फीसदी) वाले बच्चे होते हैं। इस रपट के अनुसार भी पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में मृत्यु दर भी घटी है तथा उनमें ठिगनेपन की प्रवृत्ति भी कम हुई है, लेकिन इस रपट में एक विरोधाभास यह है कि जनसंख्या में कुपोषण और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में पतलेपन का प्रमाण बढ़ा है।

हर साल प्रकाशित होनेवाली इस रपट में विभिन्न वर्षों में भुखमरी की तुलना की गयी है, लेकिन यह भी स्वीकार किया गया है कि इस रपट के संकेतक इसी वर्ष तक सीमित हैं यानी इस संबंध में तुलना नहीं की जा सकती, क्योंकि अलग-अलग वर्षों में स्रोत और प्रणाली में अंतर है। इस संस्था के भुखमरी सूचकांक के सूत्र में तीन भाग हैं। एक तिहाई भाग खाद्य उपलब्धता, एक तिहाई भाग पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर और एक तिहाई भाग बच्चों के कुपोषण को दिया गया है।

बच्चों के कुपोषण के दो संकेतक है- पतलापन और ठिगनापन। बच्चों में कुपोषण के संबंध में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण द्वारा समय-समय पर सर्वेक्षण होता है और वे आंकड़े विश्वसनीय माने जा सकते हैं। इसी प्रकार बच्चों में मृत्यु दर के आंकड़े से भी कोई समस्या नहीं दिखती। लेकिन इनका सही विश्लेषण भी जरूरी है।

भारत में कुपोषण की समस्या लंबे समय से है, लेकिन यह धीरे-धीरे घट रही है। वर्ष 1998-2002 के बीच अपनी आयु से ठिगने बच्चों का अनुपात 54।2 प्रतिशत था, जो 2016-2020 के बीच मात्र 34।7 प्रतिशत रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि चूंकि बच्चे लंबे हो रहे हैं, इसलिए उनमें पतलापन आ रहा है और यह अच्छा संकेत है। समय की मांग है कि ऐसी झूठी रपटों का पदार्फाश किया जाए और विकासशील देश आंकड़ों की बाजीगरी से मुक्त होकर जमीनी हकीकत पेश करें।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

यूपी के जौनपुर में मुफलिसी से तंग आकर तीन सगी बहनों ने ट्रेन के सामने कूदकर दी जान

रिपोर्टर/अरमान उलहक

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में शुक्रवार को तीन सगी बहनों ने ट्रेन के सामने कूदकर खुदकुशी कर ली हादसे की सूचना पर जीआरपी मौके पर पहुंच गई है शव को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन में जुट गई है। जफराबाद-सुल्तानपुर रेल प्रखण्ड के फत्तूपुर बदलापुर गांव के पास आज सुबह वाराणसी से लखनऊ की ओर जा रही जनसाधारण एक्सप्रेस ट्रेन के सामने तीन बहनें कूद गईं. तीनों की उम्र 11 से 16 वर्ष के बीच बताई जा रही है चर्चा है कि आर्थिक तंगी के चलते तीनों ने खुदकुशी की है लेकिन अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है. पुलिस और जीआरपी टीम मामले की छानबीन में जुटी है. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि 9 साल पहले इन लड़कियों के पिता की मौत हो चुकी है. जबकि मां आशा देवी दोनों आंख से अंधी है। घटना बदलापुर क्षेत्र फत्तूपुर गांव की है. मिली जानकारी के मुताबिक आशा देवी पत्नी स्व राजेन्द्र गौतम निवासिनी ग्राम अहिरौली पुलिस चौकी राजा बाजार थाना महराजगंज जौनपुर कि 5 पुत्रियां व एक पुत्र है। जिसमें बड़ी लड़की रेनु देवी की शादी हो चुकी है. ज्योति जो अपने फुफा के घर रहती है और इकलौता भाई गणेश गौतम मजदूरी का काम करता है। बताया जा रहा है कि तीनों सगी बहनें प्रीति उम्र (18) वर्ष, आरती उम्र (16) वर्ष और काजल उम्र (14) निवासी ग्राम अहिरौली पुलिस चौकी राजापुर बाजार थाना महाराजगंज जनपद जौनपुर गुरुवार की रात अपने घर से निकली थी. तीनों ने जनसाधारण एक्सप्रेस ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है।

एमएमआरडीए म्हाडा धोखाधड़ी कांड का पदार्फाश 10 लोगों पर की गई एफ आई आर

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। एमएमआरडीए म्हाडा आई विंग दोस्ती कंपलेक्स नामी इमारत के पास इस 24 मंजिला इमारत में दलालों द्वारा एमएमआरडीए और टीएमसी कारपोरेशन के फर्जी कागजात बनाकर अपने आप को मकान का मालिक बताकर लोगों को हेवी डिपॉजिट पर और किराए पर देने की वारदातों को अंजाम देकर लोगों से मोटी रकम वसूल कर रहे थे। मनपा प्रशासन के अस्थाई विभाग के सहायक आयुक्त महेश अहिरे द्वारा यह खुलासा किया गया जो मकान दलालों द्वारा हेवी डिपॉजिट पर या किराए पर दिए गए थे उनके कागजात पूरी तरह से फर्जी है। दलालों ने एमएमआरडीए द्वारा एलॉटमेंट लेटर और टीएमसी कारपोरेशन परमिशन लेटर जो बनाया गया था वह पूरी तरह से फर्जी था। उन कागजातों पर साइन की गई थी वह भी पूरी तरह फर्जी थी

सिक्योरिटी गार्ड को बताया गया हमको मकान एमएमआरडीए ने दिया हुआ है। बोर्ड से परमिशन लेकर मकान का ताला तोड़कर मकान मैं अपना कब्जा लिया और आप को मकान मालिक बता कर लोगों के साथ में धोखाधड़ी की इस पूरी जांच में 19 लोगों को दिए गए मकान हेवी डिपॉजिट या भाड़े पर वह मनपा प्रशासन द्वारा खाली करा कर अपने ताबे में लिए और किरायेदारों को घर से बेघर कर दिया। किरायेदारों के कागजात को लेकर महेश अहिरे 10 लोगों पर शील डायगर पुलिस स्टेशन में उन लोगों के विरुद्ध में एफ आई आर दर्ज करा दी। विजय रमेश चौहान, सुनील हरिप्रसाद रायबोले, खालिद शेख, फरहत शेख,विजय हीरालाल जायसवाल,फेमिना अमजद शेख,एम एम अंसारी, मोहम्मद नादिर अहमद, मुसाफिर हुसैन,शोएब मोहम्मद अंसारी, इन लोगों के विरुद्ध में सीआरपीसी आईपीसी की धारा 452 417 420 465 467 468 471 34 के तहत मामला दर्ज किया है गौरतलब बात तो यह है। मनपा प्रशासन ने मकान खाली करा कर ताबा तो अपने हाथ में ले लिया है लेकिन उन लोगों का क्या होगा। जिनके साथ में यह धोखाधड़ी हुई वह बेचारे घर से बेघर हो गए पैसा भी गया और छत भी गई फिलहाल पुलिस कि जांच में आगे और क्या सामने आता है इस धोखाधड़ी कांड में और कितने लोग शामिल हैं यह पुलिस छानबीन के बाद पता चलेगा।

खूनी बाईपास ने फिर से ली एक युवक की जान दुर्घटना में हो रही मौतों का जिम्मेदार कौन मानपा प्रशासन या पीडब्ल्यूडी विभाग?

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। खूनी बाईपास पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा आए दिन कोई न कोई खूनी बाईपास पर दुर्घटना का शिकार हो रहा है स्थानीय रहवासी द्वारा यह बताया जा रहा है यह दुर्घटना होने का कारण कहीं न कहीं पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों की लापरवाही है क्योंकि यह बाईपास की हालत झंजर हो चुकी है करोड़ों रुपया खर्च करने के बाद भी बाईपास की हालत झंजर नजर आ रही है यह करोड़ों रुपए किसकी जेब में गए इसकी जांच के आदेश कलवा मुंब्रा के विधायक तथा राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र अवार्ड ने दिए थे लेकिन मामला ठप पड़ गया यह समझ से परे है गड़बड़ घोटाला झाला आए दिन इस खूनी बाईपास पर हो रही दुर्घटनाओं का जिम्मेदार कौन है मनपा प्रशासन पीडब्ल्यूडी या फिर कोई नहीं ऐसी एक 29 वर्षीय युवक अलीम नईम कपसे रहवासी मुरुड जंजीरा का बताया जा रहा है यह दोनों भाई बहन अपने रिश्तेदारों के यहां अपने परिवार समेत रहमत अपार्टमेंट रशीद कंपाउंड में आए थे और यह लोग कैटरर्स का काम करते थे।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

एमएसआरटीसी को 12 हजार करोड़ के.....

एमएसआरटीसी का राज्य सरकार में विलय करने की मांग को लेकर निगम के अधिकतर कर्मचारी 28 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इससे उन्हें सरकारी कर्मचारियों का दर्जा और बेहतर वेतन मिलेगा। एमएसआरटीसी के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शेखर चन्ने ने कहा कि केपीएमजी को एमएसआरटीसी के समग्र अध्ययन और निगम के वित्तीय पुनरुद्धार के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव देने के लिए नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि परामर्श कंपनी साल के अंत से पहले अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद से, राज्य के स्वामित्व वाला निगम अपने सबसे खराब वित्तीय संकट से गुजर रहा है। एमएसआरटीसी के उपाध्यक्ष ने कहा कि वित्तीय संकट के कारण निगम अपने कर्मचारियों को भुगतान करने में भी सक्षम नहीं है। अन्य भुगतान करने के लिए राशि के लिए उसे सरकार पर निर्भर रहना पड़ा है। दिवाली के वक्त से जारी हड़ताल ने आर्थिक संकट को और गहरा कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि महामारी से पहले निगम का संचित घाटा लगभग 8500 करोड़ रुपये था। लेकिन, लॉकडाउन के दौरान हुए नुकसान के कारण, इस वित्तीय वर्ष के अंत तक यह संख्या बढ़कर 12,000 करोड़ रुपये होने की आशंका है।

कृषि कानून रद्द करना पीएम का.....

यह साहस पीएम मोदी ने दिखाया है। इस बारे में जो लोग टिप्पणी कर रहे हैं, उन्होंने किसानों को कुछ नहीं दिया है। फड़नवीस ने आगे कहा कि आज किसान सम्मान योजना के तहत महाराष्ट्र के किसानों को 9 हजार करोड़ रुपए की मदद मिल रही है। पूर्व की यूपीए सरकार के वक्त कृषि का बजट 25 हजार करोड़ रुपए का था, अब वह बढ़कर 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का हो गया है। विपक्ष के नेता देवेंद्र फड़नवीस रविवार को अमरावती का दौरा करेंगे। त्रिपुरा की कथित घटना के विरोध में हुए आंदोलन के दौरान अमरावती में हिंसा की घटनाएं हुई थीं। ऐसे में फड़नवीस का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण होगा। मिली जानकारी के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री कुछ स्थानों का दौरा करेंगे और स्थानीय नागरिक, जन प्रतिनिधियों सहित पुलिस अधिकारियों से चर्चा करेंगे। वे एक प्रेस कांफ्रेंस को भी संबोधित करेंगे।

अवैध हथियारों की मंडी....

जांच में पता चला कि उसके पाकिस्तान और राष्ट्रविरोधी तत्वों से भी रिश्ते हैं। पकड़ा गया आरोपी 11 से भी ज्यादा आपराधिक मामलों में लिप्त है। सोशल मीडिया के अवैध हथियारों के तस्करों के अड्डा बनने की खबर एनबीटी ने प्रमुखता से छापी थी। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान पता चला कि कुछ पोस्ट्स में अवैध हथियारों की बिक्री की बात थी। हथियार और गोला-बारूद की फोटोज भी डाली गई थीं। इनमें से एक ग्रुप लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर था। रोहिणी कोर्ट में शूटआउट के दौरान गैंगस्टर जितेंदर गोगी की हत्या के बाद से ही माहौल गर्म है। ऐसे में मामला स्पेशल सेल की IFSO यूनिट को सौंपा गया। पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई की प्रोफाइल्स सर्च कीं और पाया कि एक की फ्रेंड लिस्ट में किसी हितेश राजपूत (हीरपाल सिंह) का नाम है। वह फेसबुक पर अवैध हथियार बेच रहा था। सर्विलांस के जरिए (हीरपाल सिंह) की ऐक्टिव प्रोफाइल्स का पता लगाया गया। उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर एक डील की गई। इस दौरान सिंह ने वीडियोज शेयर किया और जो अकाउंट नंबर बताया, पुलिस ने उसमें एडवांस जमा कर दिया। एसीपी रमन लांबा की अगुवाई में इंस्पेक्टर प्रवीण, एसआई सुनील, एएसआई अजीत, हेड कॉन्स्टेबल हरिकिशन, अतुल, कॉन्स्टेबल्स योगिंदर, विजेंदर और राजेश ने हितेश सिंह उर्फ लंगड़ा को हरियाणा के मानेसर से धर दबोचा। हितेश वहां बाकी के पैसे लेने आया था। उसे गिरफ्तार करके मोबाइल फोन को फोरेंसिंक जांच के लिए भेजा गया। पुलिस का कहना है कि हितेश का राष्ट्रविरोधी तत्वों और पाकिस्तान से भी कनेक्शन मिला है। वह राजस्थान की कई जेलों में बंद रहा है। जेल में रहते हुए ही उसने अपराधियों से संपर्क बढ़ाया। वह नौसिखिया बदमाशों को ठगता था और केवल नामी अपराधियों को हथियार सप्लाई करता था।

मुंबई में हनीट्रैप का शिकार हुआ कोल्हापुर का व्यापारी.....

साल 2018 में कोल्हापुर के व्यापारी ने अपने मुंबई प्रवास के दौरान चौधरी को फोन किया और उस होटल में बुलाया, जहां वह ठहरा हुआ था। चौधरी अपने साथ लुबना वजीर नामक महिला को लेकर गया। वजीर ने कोल्हापुर के व्यापारी के सामने खुद को इस तरह प्रेजेंट किया, जैसे उसकी राजनेताओं और टॉप पुलिस अधिकारियों के बीच अच्छी पहुंच है। एक साल बाद मार्च, 2019 में कोल्हापुर का व्यापारी फिर मुंबई आया और उसने अंधेरी में पांच सितारा होटल में कमरा बुक कराया। हमेशा की तरह इस बार भी उसने अनिल चौधरी को डिनर के लिए होटल में बुलाया। अनिल चौधरी इस बार लुबना वजीर के अलावा अपने साथ मोनिका देव नामक एक और महिला को लेकर भी गया। मोनिका के अलावा कोई मनीष सोदी भी साथ में था। कुछ देर तक सभी ने कोल्हापुर के व्यापारी के साथ गप-शप की, ठहाके लगाए और फिर एकाएक कोई अर्जेंट काम बताकर अनिल चौधरी मनीष सोदी को लेकर कमरे से बाहर निकल गया। कमरे में अब सिर्फ दो महिलाएं रह गईं। इनमें से एक महिला जोर-जोर से चिल्लाने लगी और कोल्हापुर के व्यापारी पर रेप का आरोप लगा दिया जबकि दूसरी महिला ने इस दौरान वीडियोग्राफी शुरू कर दी। इस बीच, जो विडियो बना रही थी, उसने अनिल चौधरी को फोन कर दिया। सब कुछ प्री-प्लांड था। चौधरी और मनीष सोदी होटल परिसर में ही थे। वह कमरे में आ गए। कोल्हापुर के व्यापारी को धमकाया कि वह लोग उसके खिलाफ पुलिस में रेप की शिकायत कराने जा रहे हैं। व्यापारी जब घबरा गया, तब उसे ब्लैकमेल किया जाने लगा। करीब एक महीने में उससे करीब सवा करोड़ नकद और आभूषणों के रूप में लिए गए। उसका विडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए कुछ महीने बाद साल 2019 में ही व्यापारी से 2 करोड़ रुपये और मांगे गए। व्यापारी ने किसी तरह 90 लाख रुपये दिए। साल 2020 में व्यापारी को फिर ब्लैकमेल करते हुए फोन किया गया। उससे फिर कई लाख रुपये उगाहे गए। वह पिछले साल तक करीब सवा दो करोड़ रुपये आरोपियों को दे चुका था। उससे तब यह भी वायदा किया गया था कि अब से उससे एक भी रुपये और नहीं मांगे जाएंगे और उसका वीडियो भी मोबाइल से डिलीट कर दिया जाएगा। लेकिन आरोपियों को व्यापारी को ब्लैकमेल करने और उससे उगाही करना जारी रखा। व्यापारी इतना ज्यादा परेशान हो गया कि उसने खुदकुशी का मन बना लिया और बेटे से कहा कि उसके मरने के बाद वह उसके बिजनस को अच्छे से संभाले। तब बेटे ने पिता से विस्तार से जानकारी ली। इसके बाद बेटे ने मुंबई क्राइम ब्रांच से संपर्क किया। बाकायदा एफआईआर दर्ज की। उसके बाद सीनियर इंस्पेक्टर महेश कुमार ठाकुर की टीम द्वारा शुक्रवार को अंधेरी में ट्रैप लगाया गया। आरोपियों को 26 लाख रुपये रकम देने के लिए वहां बुलाया गया और उसी दौरान तीन आरोपियों वहां अरेस्ट कर लिए गए, जबकि चौथा फरार हो गया।

सोशल फॉर ह्यूमन राइट्स का उद्देश्य सिर्फ मानव अधिकारों के लिए हैं - गणेश नारायण शर्मा

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान) सोशल फोर ह्यूमन राइट्स के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गणेश नारायण शर्मा ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य मानव अधिकारियों के लिए संघर्ष करना है। शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया किइएस. एफ. एच. आर. की राष्ट्रीय काउंसिल मीटिंग का आयोजन पूना में किया गया। जिसके अंतर्गत देश के सभी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ में राष्ट्रीय अध्यक्ष के. एस. चौहान ने अपने वक्तव्य में कहा कि देश में एन. जी.ओ के नाम पर बहुत सी संस्थाएं कार्य कर रही हैं, लेकिन एस. एफ. एच. आर. ऐसी संस्था नही हैं। हमारा उद्देश्य केवल मानव अधिकारों के लिए आवाज उठाना हैं, और जितना हो सके मदद करना हैं, नही कि संस्था के माध्यम से अनुचित कार्य करना है, साथ ही उन्होंने अपने वक्तव्य में गिरफ्तार व्यक्तियों के अधिकारो के बारे में देश के सभी राज्यों के प्रतिनिधियों बताया और इस पर जोर दिया कि सभी इसके बारे में सोचें और उनके हित में कार्य करें। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौहान ने युवाओं को साथ में जोड़े। उन्होंने कहा कि युवा ही संस्था के भविष्य होंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जे. वी. एस. सिसोदिया ने एस. एफ. एच. आर. के 9 बाई 9 नियमो का पालन करने पर जोर दिया। राष्ट्रीय महासचिव अमित बनर्जी ने भी वक्तव्य दिया। राष्ट्रीय संयुक्त सचिव एच. के. पासवान ने भी कानून के बारे सभी सदस्यों को अधिकारों को विस्तार रूप से समझाया ताकि सभी अच्छी तरह से कार्य करें। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शेखर शिल्के एस. एफ. एच. आर के लेखा जोखा के बारे बताया। महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष

धनलक्ष्मी नायडू ने कहा कि मुझे गर्व है आज मैं इस मंच पर हूं, साथ उन्होंने अनिता डायगुढ़े, टी. डी. स्त्यवानी, डाक्टर निशा, डाक्टर हिमानी सोम आदि को धन्यवाद दिया। महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि देश में ऐसी बहुत सी संस्थाएं हैं जो व्यापार करने का कार्य करती हैं लेकिन हमारी संस्था का यह उद्देश्य यह नहीं है। महाराष्ट्र महासचिव ने अपने विचार व्यक्त किए। छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष गणपत चौहान ने उड़ीसा में कार्यकारणी बनाने की घोषणा की। देहली अध्यक्ष रवि तोमर ने भी यह विचार व्यक्त किए कि बहुत सी संस्थाएं सिर्फ पैसा कमाने का कार्य करती हैं, मुझे खुशी है एस एफ एच आर में ऐसा नहीं हैं, साथ ही देहली के महासचिव गिरीश सारस्वत ने कविता पाठ संस्था करके सदस्यों का जोश बढ़ाया, टी. डी. सत्यवानी ने अपने विचार प्रकट किए, और राष्ट्रीय अध्यक्ष के.एस. चौहान ने राजेंद्र परदेशी की संस्था में उनके योगदान की बहुत प्रशंसा व्यक्त की, और सबका आभार प्रकट किया, कार्यक्रम में आई टी हेड वरुण चौहान, राजस्थान अध्यक्ष गणेश नारायण शर्मा, डी. पी. दुबे, कुमार दयगुड़ी, राकेश धीमन, संजीव जोहरी, वाहिदखान, जयंत भोईधर, मनोज चौहान, आदि सभी सदस्यों ने भाग लिया।

पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लायें तो बेलगाम मंहगाई पर अंकुश हो-रेवती रमण सिंह

विद्या शंकर शुक्ला ब्यूरो मुंबई हलचल

प्रयागराज। भीषण मंहगाई से देश की 80% गरीब जनता आज त्राहि त्राहि कर रही हैं। इसलिए पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाय जिससें बेलगाम मंहगाई पर अंकुश लग सके और गरीब जनता को राहत मिल सके। उक्त बातें राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने शनिवार को करछना तहसील पर धरना प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए हजारों की संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा उन्होंने कहा कि मैं किसान अंदोलन में सैकड़ों की संख्या में शहीद हुए किसान भाईयों को दिल से श्रद्धांजलि देता हूँ कि उनकी शहादत व्यर्थ नहीं गई आज मोदी सरकार को मजबूर हो कर कृषि बिल जैसा काला कानून वापस लेना पड़ा उन्होंने ने संघर्षरत किसानों को बधाई देते हुए कहा कि जैसे पथरीली जमीन का सीना चीरकर अनाज पैदा करते हैं उसी तरह यह गूंगी बहरी पत्थर दिल भाजपा सरकार को भी आप लोगों ने पीछे हटने पर मजबूर किया आप अन्नदाता को प्रणाम। सांसद ने राज्यपाल को संम्बोधित ज्ञापन में कहा कि सरकारी क्रय केंद्र पर एमएसपी मूल्य पर बिना भेदभाव के क्रय हो जो नहीं हो रहा है। सोसायटी पर डीएपी, यूरिया खाद की उपलब्धता सुनिश्चित हो जिससे किसान नकली खाद खरीदने के लिए मजबूर ना हो। किसानों की फसल आवारा पशु चर रहे हैं इसकी रोकथाम हो, ग्राम पंचायत स्तर

पर पशुबाड़े का निर्माण हो और उनके चारें की व्यवस्था हो। बंद पड़े सरकारी नलकूप को पुनः चालू कराया जाय।नलकूप का फिक्स बिजली बिल पहले की तरह लिया जाय। अघोषित विधुत कटौती बंद कर जले ट्रांसफार्मर को 3दिन में बदले जाय जो महीनों में नहीं बदले जाते हैं। थानों पर भय का माहौल है वादियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा हैं तथा फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी दी जाती हैं जिसपर रोक लगनी चाहिए। सपा जिला उपाध्यक्ष विनय कुशवाहा ने कहा कि भारत की भोलीभाली जनता 2014 में 56इंच का सीना शैर समझ कर बहुमत दिया लेकिन कलर कितने दिन तक चलेगा आज जनता ने देख लिया कि शेर के भेष गीदड़ जिसकी वजह से सीमा पर जवान, गांव मे किसान मर रहा है शहर में नवजवान व व्यवसायी आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। धरना प्रदर्शन में पूर्व विधायक रामकृपाल कोल, करछना प्रमुख कमलेश द्विवेदी, चाका प्रमुख अनिल पटेल,कौधियारा प्रमुख इंद्र नाथ मिश्रा, राजूसिंह, अमर सिंह पटेल राठौड़, राजेश्वर पाण्डेय, पप्पू इसराइल, नंदा निषाद, श्रीकांत यादव, मंजू यादव, हंसराज सिंह, समीर पाण्डेय, राजेश यादव आदि रहे।

सपाइयों ने जिलाधिकारी संजीव रंजन को ज्ञापन सौंपकर पोस्मार्टम प्रकरण में डॉक्टरों की गिरफ्तारी की माँग उठायी

रिपोर्टर/अरमान उलहक

सम्भल। समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खान व एमजीएम महाविद्यालय के पूर्व छात्रनेता फुरकान तुर्की के नेतवर्त में सपा कार्यकताओं ने डीएम संजीव रंजन को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जनहित की मांगें उठायीं। सपा नेता फिरोज खान ने कहा पोस्टमार्टम प्रकरण में डॉक्टरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुए छह दिन हो गए हैं लेकिन अभी तक किसान के शव का पोस्मार्टम करने वाले बहजोई के महिला चिकित्सालय में तैनात चिकित्सक डॉक्टर खिलेन्द्र सक्सेना,

बहजोई सीएचसी के प्रभारी व पोस्मार्टम हाउस के नोडल अधिकारी डॉक्टर राजकिशोर, बहजोई सीएचसी पर ही तैनात डॉक्टर सौवीर सिंह,व पोस्मार्टम हाउस पर तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ह्देश की गिरफ्तारी नही हुई है जल्द से जल्द डॉक्टरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। शहर के विभिन्न तिराहों और चौराहों पर महिला शौचायल की व्यवस्था नही होने की वजह से महिलाओं के लिए असुविधा होती है महिलाओं के लिए महिला शौचालयों का निर्माण कराया जाए। जनपद में मच्छरों के बढ़ते हुए प्रकोप से डेंगू और चिकनगुनिया की बीमारी फैल रही है बीमारियों की रोकथाम के लिए सुबह शाम रोजाना फांगिंग करायी जाए। इस दौरान सपा नेता फिरोज खान, पूर्व छात्रनेता फुरकान तुर्की, महफूज सभासद, इंशा, धीरज आर्य, नाजिम अली खान, गुल्लू खान, फैजान शाही, गुलाम मुस्तफा आदि रहे।

पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष चौहान ने प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भीम सिंह चौहान ने राष्ट्रीय सचिव हेमंत ठाकुर व द्रवीण कुमार चौहान की अनुसंशा व राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी भैरु सिंह राठौड़, पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष के. बी. सुखवाल, राष्ट्रीय सलाहकार अशोक यादव एवं प्रचार मंत्री रामेंद्र सिंह चौहान व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चन्दन सिंह चौहान की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष भीम सिंह चौहान ने प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए हरिओम सिंह राठौड़ को प्रदेश महासचिव, महेंद्र सिंह चौहान को प्रदेश सचिव, राम सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष, मुकेश साहनी को बानसूर मंडल अध्यक्ष, एडवोकेट जगदीश सिंह जादौन को प्रदेश प्रचार मंत्री, समुंद्र सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष, भोलाराम को प्रदेश मंत्री, सतीश कुमार सैनी को प्रदेश उपाध्यक्ष तथा किशन सिंह को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। उक्त जानकारी पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय सचिव हेमंत ठाकुर व द्रवीण कुमार चौहान ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

तीनों कृषि कानून वापस लेने के निर्णय को किसानों ने प्रधानमंत्री का शुक्रिया अदा किया और एक दूसरे से गले लग कर मुंह मीठा किया

विद्या शंकर शुक्ला ब्यूरो मुंबई हलचल

नैनी, प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री को लख लख बधाइयां हो जिन्होंने देश हित में तीनों कानूनों को वापस लेकर बहुत ही सुंदर कार्य किया है। जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की और साथ ही आंदोलन कर रहे किसानों को घर वापस लौटने, तीनों कानूनों को वापस लेने के लिए लंबे समय से कुछ किसान संगठन में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हम किसानों के हित में यह तीनों कानून लेकर आए थे। शायद हम कुछ किसानों को इसके बारे में समझाने में असफल रहे। इस महीने के अंत से शुरू होने वाले संसद सत्र के दौरान तीनों कानूनों को सदन के जरिए वापस ले लिया जाएगा। बधाई देने वालों में विभिन्न किसान पुत्रों ने आपस में गले लग कर एक दूसरे को मिठाईयां खिलाई और प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया।

श्री जगमोहन गुप्ता (Shivji Bhai)
(8 July 1954 - 18 Nov 2021)
प्रार्थना सभा
Sunday: 21 Nov 2021. शाम 4 से 6 बजे.
स्थान: नंद नंदन भवन, सोडावाला लेन,
म्युनिसिपल स्कूल के सामने, बोरिवली वेस्ट, मुंबई 92

श्रीमती मीना गुप्ता
मोनिका मौर
संजय मौर
मनमोहन गुप्ता
मदनमोहन गुप्ता
बृजमोहन गुप्ता
राजमोहन गुप्ता
व समस्त गुप्ता परिवार

JOIN PRAYER ON ZOOM: Meeting ID: 424 172 9258
Passcode: 2xVmyp

MM MITHAIWALA
GLOBAL ADVERTISERS PVT. LTD.
JMD DEVELOPERS
98207 97773 / 022 2893 9472

इंसान की सकारात्मक सोच ही उसकी राह आसान करती हैं - आचार्य ब्रह्मदेव वेदालंकार

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

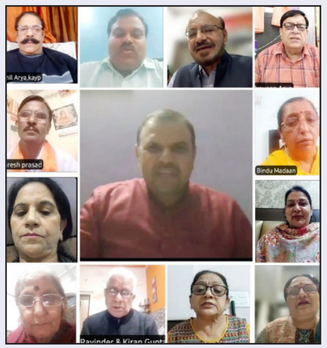

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ₹जीवन के स्वर्णिम सूत्र₹ विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल में 316 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य ब्रह्मदेव वेदालंकार ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि जीवन में सकारात्मक सोच रखने से जीवन सुखद हो जायेगा। जीवन की धूप-छांव और आंख मिचौली के यथार्थ को समझे बिना जीवन को सफल और सार्थक तरीके से नहीं जिया जा सकता है। इस परिवर्तन शील जगत की वास्तविकता को समझें और स्वयं को उसके लिए मानसिक रूप से तैयार करें। सकारात्मक शक्तियों से जुड़े धर्म और अध्यात्म की चेतना के संपर्क में रहने वाले लोगों की आंखें तो समय रहते अवश्य खुलनी चाहिए। उन्हें यह चिंतन करना है कि हमें केवल वर्तमान में ही नहीं जीना है,भविष्य के लिए भी खुद को तैयार करना है। यौवन के आगे बुढ़ापा है।इसे अनदेखा नहीं करना है। बचपन को यौवन के संदर्भ में, यौवन को बुढ़ापे के संदर्भ में और पूरे जीवन को मौत के संदर्भ में देखना चाहिए। हमारी बहुत सारी सफलताएं और असफलताएं हमारी दृष्टि पर निर्भर हैं। दृष्टि किससे प्राप्त होती है? दृष्टि अभ्यास से प्राप्त होती है। दृष्टि प्राप्त नहीं है तो हम सचाई को कभी समझ नहीं पाएंगे और हमारी समझ भी विकसित नहीं होगी। अभ्यास बहुत जरूरी चीज है। अभ्यास जरूरत के समय ही नहीं,बल्कि हर समय होना चाहिए।अखाड़े में उतरने वाला पहलवान रोज अभ्यास करता है। ऐसा नहीं है कि जब कुश्ती लड़ना हो तभी अभ्यास शुरू करो। तैयारी बहुत पहले से करनी पड़ती है।किसान खेती का अभ्यास केवल सीजन में ही नहीं करता,वह रोज करता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि दूसरों की गलतियों को माफ करना और आगे बढ़ना चाहिए। छोटी छोटी बातों को याद रखने से जिंदगी बोझिल हो जाती है,जिंदगी हंसते मुस्काते जीनी चाहिए। मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार यादव (प्रधान,आर्य समाज वृंदावन गार्डन,साहिबाबाद) ने कहा कि ईमानदारी व कड़ी मेहनत जीवन में सफलता के लिए आवश्यक है। अध्यक्ष आर्य नेता सतीश नागपाल ने कहा कि मनुष्य जीवन बड़ा अनमोल है हम अपने आचरण व्यवहार से और सुंदर बना सकते है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग जीवन का आधार है योगी व्यक्ति निराश नहीं होता। गायिका बिंदु मदान, करुणा चांदना (मेरठ), रविन्द्र गुप्ता, किरण सहगल, रेखा वर्मा, प्रवीना ठक्कर, नरेशप्रसाद, कमला हंस, रजनी गर्ग आदि ने मधुर भजन सुनाए।

निशुल्क हैलमेट लेने के लिए लोगों को हैलमेट बैंक का पता बताएं - राघवेंद्र कुमार

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान) हैलमेट मैन राघवेंद्र कुमार भारत की सड़कों पर हेलमेट बैंक बना रहे हैं। पहले हेलमेट बैंक की शुरूआत ग्रेटर नोएडा शहर के बीचो बीच परी चौक पर शुरूआत कर रहे हैं। यह शहर उत्तर प्रदेश के गौतमबुध नगर जिले से आता हैं, जो दिल्ली से काफी सटा हुआ है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से 200 स्क्वायर फीट की जगह की मांग रखी है। जगह पूरी होते ही अगले 1 महीने के अंदर हेलमेट बैंक बनकर तैयार हो जाएगा। हैलमेट मैन राघवेंद्र कुमार ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि जिले का कोई भी व्यक्ति 7 दिनों के लिए निशुल्क ब्रांड हेलमेट इरक स्टैंडर्ड्स का लाभ ले सकता हैं। हेलमेट बैंक सुबह 6:00 बजे से लेकर रात को 8:00 बजे तक खुला रहेगा साल के 365 दिन। हेलमेट लेने के लिए कुछ आवश्यक डॉक्यूमेंट्स की भी जरूरत पड़ेगी जिसमें हेलमेट लेने वाले का आधार कार्ड और दोपहिया वाहन गाड़ी नंबर का होना जरूरी है. हेलमेट बैंक से सिर्फ 7 दिन के लिए हेलमेट मिलेगा. उसके बाद जरूरत पड़ने पर दोबारा भी हेलमेट ले सकता है। अगर कोई हेलमेट वापस नहीं करता है तो उसे10 प्रतिदिन के हिसाब से जुमार्ना भी देना पड़ सकता है। अगर कोई सदा के लिए हेलमेट रख लिया तो उसे दो हजार रुपए का फाइन भी भरना पड़ेगा. हेलमेट बैंक से हेलमेट लेने वाले को जागरूकता के साथ यातायात नियमों की जानकारियां भी दी जाएगी। इस हेलमेट बैंक में 4 साल उम्र के बच्चों के लिए भी हेलमेट उपलब्ध होगा। हेलमेट मैन का प्रयास भारत में अधिक से अधिक लोगों को सड़क दुर्घटना से बचा कर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता वॉलिंटियर्स की फौज खड़ा करना चाहते हैं। आज भारत में दुर्घटना से घायल लाखों लोगों को मदद का इंतजार है मगर उन्हें मदद नहीं मिल पा रही है। पिछले 7 सालों में अकेला हेलमेट मैन सैकड़ों लोगों की जान बचाकर मदद कर चुके हैं और भविष्य में परिस्थितियों को बदलने की लड़ाई लड़ रहे हैं। यातायात नियम तोड़ने वाले को देख कर लोग अनदेखा ना करें बल्कि उससे नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। हेलमेट मैंन ने कहा मुझे प्रतिदिन भारत के कोने कोने से सड़क दुर्घटना में घायल परिवार वालों की तरफ से आर्थिक मदद के लिए फोन आते रहते हैं। जो अपनों को बचाने के लिए हॉस्पिटल का बिल चुकाने के लिए हमेशा अनजान लोगों से मदद की उम्मीद रखते हैं। और इनमें से अधिकतर लोग बिना हेलमेट यात्रा करने वाले लोग होते हैं। हेड इंजरी का इलाज करने के लिए ज्यादा पैसों की जरूरत पड़ती है। और आज भारत में मदद मांगने वालों की लिस्ट लंबी होती जा रही है। हेलमेट मैन अपने मित्र को खोने के बाद पिछले 7 सालों में 50 हजार से भी ज्यादा हेलमेट निशुल्क बांट चुके हैं और अपना मिशन भारत के 22 राज्यों तक पहुंचा चुके हैं। इनके कार्य की सराहना भारत के परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और भारतीय अभिनेता सोनू सूद भी कर चुके हैं। इनके जनहित के कार्यों के लिए विश्व भर से लोग इन्हें बधाई देते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिल्ली-एनसीआर की हवा अब भी 'जहरीली'

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता कल भी 'बेहद खराब' बनी हुई थी। हालांकि, दिन में तेज हवाएं चलने से प्रदूषण के स्तर में कुछ कमी आने की संभावना जताई गई। राजधानी में रविवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 382 रहा, जोकि शनिवार को 374 था। वहीं, फरीदाबाद में आज एक्यूआई (347), गाजियाबाद में (344), ग्रेटर नोएडा में (322), गुरुग्राम में (345) और नोएडा में एक्यूआई (356) रहा, जो 'बेहद खराब' की श्रेणी में आता है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय अत्यधिक प्रदूषण को काबू करने के लिए दिल्ली लगाए गए प्रतिबंधों की समीक्षा के लिए सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों की एक हाई लेवल मीटिंग बुलाई है। एक अधिकारी ने कहा कि बैठक रविवार को समाप्त होने वाले प्रतिबंधों की समीक्षा के लिए बुलाई गई है। इस बैठक में सभी

राजधानी में लागू प्रतिबंधों की समीक्षा के लिए आज होगी हाई लेवल मीटिंग

संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण को काबू करने के लिए बुधवार को 10 निर्देश जारी किए थे, जिनके तहत शहर में अनावश्यक सामग्रियां लाने वाले ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था और अगले आदेश तक सभी स्कूलों और कॉलेजों को बंद कर दिया गया था।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वायु गुणवत्ता निगरानीकर्ता 'सफर' के अनुसार, 21 नवंबर से 23 नवंबर के बीच सतही हवाओं के मजबूत होने की उम्मीद है जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार आ सकता है। 'सफर' ने कहा कि इस अवधि में पश्चिमोत्तर दिशा से आने वाली हवाओं के मजबूत होने की संभावना है, जिससे दिल्ली में स्थानीय स्तर पर उत्सर्जित प्रदूषण साफ हो जाएगा और यह हवा के साथ दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में चला जाएगा और इससे वायु गुणवत्ता में सुधार के आसार हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, रविवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। अधिकतम तापमान के 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

गौरतलब है कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए बीते सोमवार को 10 दिशानिर्देश जारी किए थे जिनमें गैर आवश्यक सामान वाले ट्रकों के प्रवेश पर रोक, स्कूल तथा कॉलेज बंद करने, 21 नवंबर तक निर्माण और इमारतों को गिराने संबंधी कार्यों पर रोक आदि कदम शामिल हैं। इसके साथ ही सरकार ने रविवार तक अपने कर्मियों को घर से काम करने का आदेश दिया था। गोपाल राय ने कहा था कि सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करने के लिए 1,000 निजी सीएनजी वाहनों की सेवा ली जाएगी।

नियोजित शिक्षकों को भी मिले नियमित शिक्षकों की भांति MACPS का लाभः मशकूर आलम

संवाददाता

मधुबनी । बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी की एक बैठक जिला कार्यालय शम्स मंजिल लहेरियागंज वार्ड नं-01में आयोजित की गई, बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मशकूर आलम ने कहा के संघ हमेशा कहती आ रही है के बिहार सरकार हमेशा नियोजित शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है जिस का प्रमाण यह है कि बिहार सरकार वित्त विभाग के संकल्प संख्या :7/विविध-45/2017..1071 पटना दिनांक-07.10.2021 के आलोक में राज्यकीयकृत प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत सहायक शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों को MACPS 2010 के प्रावधान के समरुप वित्तीय उन्नयन दिए जाने की स्वीकृति दी गई है। इस पत्र के कंडिका (2) में यह कहा गया है कि राज्यकीयकृत प्रारंभिक विद्यालयों में के शिक्षकों की 12 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर प्रथम उन्नयन , 24 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर द्वितीय उन्नयन एवं 30 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर तृतीय उन्नयन का लाभ देने का प्रावधान है , लेकिन जो शिक्षक वर्ष 2003,2005 में शिक्षामित्र से 01.07.2006 को नियोजित शिक्षक बने और 2006,2008 के नियोजन में जो शिक्षक बने उनकी सेवा 12 वर्षों से उपर हों चुकी है लेकिन सरकार ने MACPS देने का कोई भी विभागीय पत्र नहीं निकला, यह सौतेलेपन का व्यवहार नहीं तो और क्या है ? इस पत्र के कंडिका (3) में कहा गया है कि राज्यकीयकृत प्रारंभिक विद्यालयों

के मूल कोटि के मैट्रिक/इन्टर (प्रशिक्षित) शिक्षकों को क्रमशः स्नातक शिक्षक एवं मध्य विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर प्रोन्नति दिए जाने का प्रावधान है। चूंकि प्रोन्नति में अपेक्षाकृत काफी समय लगता है,अतएव इन्हें MACPS के समरुप लाभ दिया जाना आवश्यक प्रतीत होता है, इस सम्बन्ध में कहना है कि शिक्षक नियोजन एवं सेवाशर्त नियमावली- 2012 के 15 के 'च' के आलोक में नियोजित शिक्षकों को प्रोन्नति देने हेतु दिशा निर्देश दिए गए हैं के नियोजित शिक्षकों को 12 वर्षों की सेवा पूर्ण करने पर स्नातक ग्रेड एवं प्रधानाध्यापक में प्रोन्नति दी जाएगी ,12 वर्षों की सेवा पूर्ण होने के बावजूद नियोजित शिक्षकों को प्रोन्नति नहीं दिया जा रहा है, विभाग के द्वारा अपेक्षाकृत समय लग रहा है। बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ मांग करती है के नियोजित शिक्षकों को भी MACPS का लाभ यथा शिघ्र मिले इस हेतु सरकार पत्र प्रेषित करे। जिला उपाध्यक्ष तकी अख्तर ने कहा के जिला शिक्षा पदाधिकारी मधुबनी से मांग किया के DPE एवं नव प्रशिक्षित शिक्षकों के एरीयर के भुगतान हेतु जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना मधुबनी को पत्र प्रेषित करें ताकि बचे हुए राशि से यथा शिघ्र एरीयर का भुगतान हो सके।वहीं बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला प्रवक्ता सह जिला सचिव श्री अरविन्द नाथ झा एवं जिला सचिव मो० एहसान ने कहा सरकार यथा शिघ्र केलकुलेटर प्रदर्शित करे जिस से हम नियोजित शिक्षकों को 15% का लाभ मिल सके। वहीं बेनीपट्टी प्रखण्ड अध्यक्ष श्री अखिलेश कुमार झा और रहिका प्रखण्ड अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार राय ने कहा के बाबूबरही प्रखण्ड में जो शिक्षक चुनाव कार्य हेतु PO रिजर्व में रखे गए थे उनका भुगतान नहीं किया गया है, जिला चुनाव पदाधिकारी उनका भुगतान यथा शिघ्र करें। रहिका प्रखण्ड के प्रधान सचिव मो० सदरे आलम ने कहा के जो शिक्षक किसी कारण अभी तक प्रशिक्षित नहीं हो सके हैं सरकार वैसे अप्रशिक्षित शिक्षकों को वेतन बहाल करते हुए उनके लिए एक बार स्पेशल परीक्षा हेतु तिथि निर्धारित करे ,कई महिनों से वेतन भुगतान नहीं होने के कारण परिवार की स्थिति दैनिय हो चुकी है।बैठक में उपस्थित रहिका प्रखण्ड के अशोक कुमार पासवान,पवन कुमार पासवान, अभिषेक कुमार, बासोपट्टी के मोहम्मद अमानुल्लाह, मोहम्मद शमीम, साकिब एमतियाज, संजीव कुमार पाठक, बेनीपट्टी के रवीन्द्र कुमार झा, ओमप्रकाश, पंडौल के अख्तर रजा, असगरी बेगम, नजमुल आफरीन, हेमंत कुमार, आदि ने भी बैठक को सम्बोधित किया।

यूपी और पंजाब समेत पांच राज्य के चुनाव के मद्देनजर... किसान अंदोलन के आगे झुकी मोदी सरकारः राम सुदिष्ट यादव

किसान आंदोलन जिंदाबाद , इन्कलाब जिंदाबाद। किसान धरना स्तल टिकड़ी बॉर्डर दिल्ल से राम सुदिष्ट यादव समाजवादी विचारक मधुबनी, बिहार।

संवाददाता

मधुबनी । पुरे एक साल तक सरकार और पूंजीपतियों के खिलाफ तीन काला कानून वापस लेने की लड़ाई लड़ने के बाद आज 19.11.2021 को सरकार काला कृषि कानून वापस लिया। सरकार द्वारा तीनों काला कृषि कानून वापस लेना एक तरफ किसान आंदोलन की जीत हैं, वही सरकार और प्रधानमंत्री के असंग की प्राजय हुई हैं।

बहुत लंबी और कष्टदाई किसान आंदोलन रहा, इसका मुख्य कारण रहा कि किसान आंदोलनकारियो को देश की सरकार और बड़े पूंजीपतियों, देश के गोदी मीडिया चैनल, गोदी प्रिंट मीडिया से एक साथ एक ही समय में सीधी लड़ाई लड़ना पड़ा। जिसके कारण किसानों को भारी नुकसान भी उठाना पड़ा।

देश भर के किसान संगठनों को एक मंच पर लाकर संयुक्त किसान मोर्चा के तहत लंबी और संयमित ढंग से आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार करने के लिए श्री योगेन्द्र यादव जी, राकेश टिकैत जी, चढ़ौनी आदि नेताओं को बहुत बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। किसान आंदोलन जिंदाबाद संयुक्त किसान मोर्चा जिंदाबाद किसान एकता जिंदाबाद।

मैं दिसम्बर 2020 धरना स्थल का फोटो साझा कर रहा हूं। इतनी बड़ी किसान आंदोलन में दिसम्बर 2020 को 16 दिन टिकरी बोर्डर और सिंधु बोर्डर पर धरना में सामिल होने का अवसर मिला इसके लिए मैं भी गौरवांवित हूं।।राम सुदिष्ट यादव किसान मधुबनी बिहार।

इन 5 चीजों को होममेड फेसपैक में न करें शामिल, स्किन पर हो सकती है परेशानी

इन दिनों इंटरनेट पर होममेड फेस पैक और हेयर ऑयल जो कुछ भी देखते हैं। जब डाई फेस पैक की बात आती है तो हम सभी इसको आंख बंद करके फॉलो करते हैं। हालांकि, इन होममेड फेसपैक में कुछ सामग्री इस्तेमाल करने के लिए सुरक्षित हैं, लेकिन मुंहासों को रोकने के लिए बेकिंग सोडा और ऐसी अन्य सामग्री पर भरोसा करना कुछ ऐसा है जो आपको निश्चित रूप से नहीं करना चाहिए।

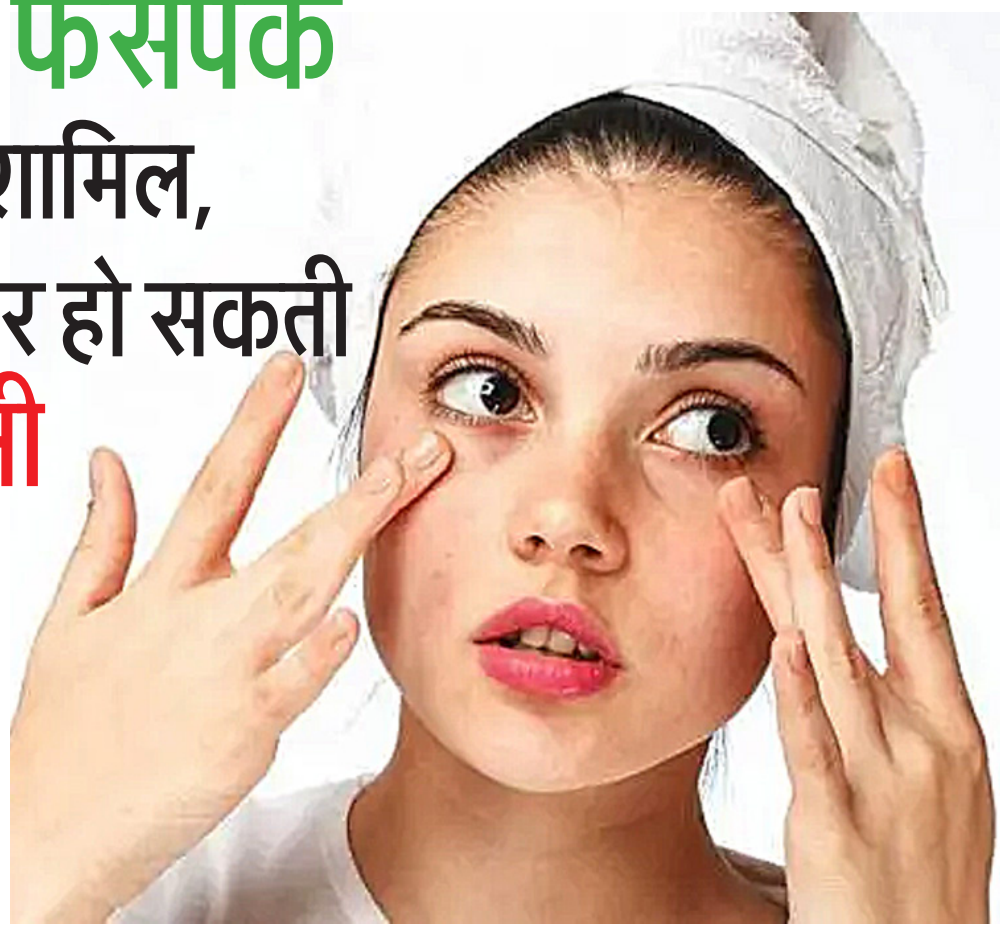

1) बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल मुंहासों को कम करने, काले धब्बों को हल्का करने और दाग-धब्बों को दूर करने के लिए किया जाता है। यह निश्चित रूप से सुरक्षित नहीं है। विशेषज्ञों का दावा है कि बेकिंग सोडा में कई यौगिक होते हैं जो आपकी त्वचा को ब्रेक कर सकते हैं और केमिकल बर्न या स्किन की एलर्जी का कारण बन सकते हैं।

2) नींबू का रस

नींबू के साथ अलग-अलग तरह के फेस पैक देखे होंगे। लेकिन क्या यह आपकी त्वचा के लिए सुरक्षित है? नींबू प्रकृति एसिड होता है और त्वचा में जलन पैदा कर सकता है। इसके अलावा, इसका तेल यूवी किरणों के संपर्क में आने पर आपकी त्वचा पर फोटोटॉक्सिक प्रतिक्रिया पैदा कर सकता है। इसका मतलब है कि इसकी वजह से स्किन में फफोले या चकत्ते हो सकते हैं।

3) विनेगर

अधिकांश टोनर में सिरका होता है, हालांकि विशेषज्ञ इसके खिलाफ हैं? सिरका में हाई पीएच होता है और प्रकृति एसिड होता है। यह जलन, धूप की कालिमा, केमिकल और त्वचा के अपच का कारण बन सकता है।

4) मसाले

अपने एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल गुणों के लिए जाने जाने वाले ट्यूमरिक के अलावा, मसाले जैसे दालचीनी, लौंग, मिर्च पाउडर। आदि से बचने की जरूरत है क्योंकि ये जलन, एलर्जी या चकत्ते पैदा कर सकते हैं। अगर आप अभी भी उनमें से किसी का इस्तेमाल उक्त में करना चाहते हैं, तो यह सुझाव दिया जाता है कि आप या तो स्किन विशेषज्ञ से परामर्श लें या पहले स्पॉट टेस्ट करें।

5) टूथपेस्ट

जले पर टूथपेस्ट लगाना एक हैक है, जिसके बारे में हम सभी ने सुना होगा लेकिन ब्यूटी एक्सपर्ट इसके खिलाफ हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि टूथपेस्ट में पुदीना, पेरोक्साइड, फ्रेग्नेंस और अल्कोहल जैसे परेशान करने वाले तत्व होते हैं जो आपकी त्वचा को परेशान कर सकते हैं।

सर्दियों में झड़ते बालों की ये हो सकती हैं वजह

इन गलतियों को आज ही करें स्टॉप

बालों की समस्या से इन दिनों हर कोई ग्रसित है। कोई बालों के सफेद होने से परेशान है तो कोई इनके टूटने से। कई लोग इसलिए भी परेशान हैं क्योंकि इस मौसम में बालों के झड़ने की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। कई लोगों को बाल डैमेज होने से परेशानी होती है तो कुछ लोगों को कुछ बालों के पतले होने की समस्या से परेशान होते हैं। ऐसे में लड़कियां कई तरह के प्रोडक्ट और घरेलू नुस्खों को अपनाती हैं। लेकिन फिर भी झड़ते बालों को रोकना बंद नहीं होता। ऐसे में आपको छोटी-छोटी बातों का ख्याल रखने की जरूरत होती है, जिससे आप अपने बालों को झड़ने से रोक सकते हैं।

मिस्टेक 1

उलझते बालों को सुलझाने में बहुत ज्यादा समय लगता है और ये बहुत ज्यादा झड़ते भी हैं। सर्दियों के मौसम में बालों का खास ख्याल रखना चाहिए। जैसे आप सोने से पहले चेहरे और हाथ पैरों को धोते हैं ठीक उसी तरह बालों को कंघी करके सोना भी जरूरी होता है। ऐसा करने से सुबह उठने पर बाल कम उलझते हैं।

मिस्टेक 2

ठंड के मौसम में अगर आप अपने बालों को गर्म पानी से धोते हैं तो ये भी बालों के लिए मुसीबत बन सकता है क्योंकि गर्म पानी से बाल धोने से ये डैमेज होते हैं। इसका मतलब ये नहीं है कि आप ठंडे पानी से बालों को धोएं आप गुनगुने पानी से अपने हेयर वॉश कर सकते हैं।

मिस्टेक 3

कई लोग जब भी बाल धोते हैं तो बालों को हेयर ड्रायर की मदद से सुखाते हैं। ऐसा करने से बाल बहुत ज्यादा कमजोर हो जाते हैं और झड़ने लगते हैं। अगर आप बालों को फिक्स रखना चाहते हैं तो हेयर जेल या फिर एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मिस्टेक 4

अगर आप उन लोगों की लिस्ट में शुमार हैं जो घंटों तक अपने बालों को तौलिया से लपलेट कर रखते हैं तो ऐसी गलती न करें। ऐसा करने से बाल नरम हो जाते हैं और कंघी करने पर बहुत ज्यादा झड़ते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हॉट नागिन

बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय फिल्मों के अलावा अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वह अपने फैंस के लिए हमेशा अपनी खास तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। मौनी रॉय अपनी बोल्ड तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर करने के लिए जानी जाती हैं। एक बार फिर से टीवी की नागिन अपनी बोल्ड तस्वीरें को लेकर चर्चा में आ गई हैं। मौनी रॉय ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों में मौनी रॉय ने ब्लैक कलर की बिकिनी पहनी हुई है। इन तस्वीरों के जरिए वह अपना खूबसूरत फीगर दिखाती हुई नजर आ रही हैं। इन सभी तस्वीरों में से एक तस्वीर में मौनी रॉय ने यल्लो कलर की बिकिनी भी पहनी हुई है। इन सभी तस्वीरों में देखा जा सकता है कि मौनी रॉय अपना सिजलिंग फीगर दिखा रही हैं। वहीं उनके चारों तरफ नीला समुद्र नजर आ रहा है, जो उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहा है। मौनी रॉय की इन सभी बोल्ड तस्वीरों को उनके फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अभिनेत्री की तस्वीर की तारीफ कर रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने मौनी रॉय की तस्वीर पर कमेंट कर लिखा, 'हॉट नागिन।' वहीं दूसरे ने उन्हें क्यूट बताया है।

नोरा का खराब अनुभव

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही अपने डांस मूव्स से सभी को दिवाना बना देती हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपने नए गाने 'कुसु कुसु' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने ने यूट्यूब की ट्रेंडिंग लिस्ट में पहले पायदान पर जगह बना ली है। गाने में नोरा फतेही कमाल का बेली डांस करती नजर आ रही हैं। वहीं अब नोरा ने इस गाने से जुड़ा एक चौंकाने वाला किस्सा शेयर किया है। नोरा ने बताया कि इस गाने की शूटिंग के दौरान वह अभी तक के अपने सबसे खराब अनुभव से गुजरी हैं। एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि गाने में पहने गए बेहद तंग ड्रेस के कारण उनका दम घुट रहा था। नोरा फतेही ने कहा, सेट पर छोटे-मोटे वाकये होते रहते थे। जैसे कि घुटनों पर चोट लगना, पैरों से खून निकलना लेकिन सेट पर एक वाकया जाहिर तौर पर मेरा सबसे खराब अनुभव था। वजन की वजह से मेरा हार बहुत टाइट था और क्योंकि मैं लगातार डांस कर थी तो मेरे गले में छिल रहा था। नोरा ने कहा कि इससे मुझे कई निशान आ गए। ऐसा लग रहा था कि किसी ने मेरे गले में रस्सी बांध कर मुझे जमीन पर घसीटा हो। लेकिन हमारे पास शूटिंग के लिए सीमित समय था, इसलिए मैंने गाने को फिल्माना जारी रखा और सीक्वेंस पूरा करने के बाद ही ब्रेक लिया। बता दें कि इस गाने में क्रीम कलर की शिमरी ड्रेस में नोरा काफी हॉट दिख रही हैं। नोरा फतेही को एक बार फिर से अपने गाने में बेले डांस करते हुए देखा जा सकता है। नोरा हमेशा की तरह अपने डांस मुव्स से फैंस का दिल जीतने में कामयाब हुई हैं।

मुश्किल में सूर्या

साउथ सिनेमा के मशहूर और दिग्गज अभिनेता सूर्या इन दिनों मुश्किलों का सामना कर रहा है। हाल ही में उनकी फिल्म जय भीम ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई। इस कोर्ट ड्रामा फिल्म में सूर्या ने वकील चंद्रू का किरदार निभाया है। फिल्म जय भीम जाति के आधार पर हो रहे भेदभाव को बयां करती हैं। इस फिल्म को लेकर वन्नियार समुदाय लगातार विरोध कर रहा है। जिसके चलते अब अभिनेता सूर्या के घर पर पुलिस सुरक्षा बढ़ाई गई है। खबर के अनुसार वन्नियार संगम के प्रदेश अक्ष्यक्ष ने फिल्म जय भीम के अभिनेता सूर्या, अभिनेत्री ज्योतिका, अमेजन प्राइम वीडियो और फिल्म के निर्देशक टीजे ग्नानवेल को कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस में उन्होंने फिल्म के सभी कलाकारों और निमार्ताओं से वन्नियार समुदाय से माफी मांगने की मांग की है। वन्नियार संगम के कानूनी नोटिस के बाद सूर्या के घर में पुलिस की सुरक्षा बढ़ाई गई है। इतना नहीं अभिनेता को अलग-अलग तरह की धमकियां भी मिल रही हैं। गौरतलब है कि फिल्म जय भीम में जनजाति इरुलर समुदाय के लोगों को पुलिस हिरासत में लेते और उन्हें यातना देते हुए दिखाया गया है। इस सीन पर वन्नियार समुदाय ने अपनी आपत्ति जताई है और फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने को कहा है।